



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 344]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 24, 2008/आश्विन 2, 1930

No. 344]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 24, 2008/ASHVINA 2, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 2008

प्रारम्भिक जांच परिणाम

विषय: चीन जन, गण, और ताइवान के मूल के या वहां से निर्यातित केबल टाइज के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 14/10/2007-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

2. यतः, मै. स्पोरलॉक प्लास्टिक्स प्रा. लि., मुम्बई (जिसे एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियम कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात यह प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जन, गण, और ताइवान (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित केबल टाइज (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगमया गया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए जांच प्रारंभ करने का अनुरोध किया गया है।

3. और यतः, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उसकी पर्याप्तता और यथातथ्यता की जांच करने के बाद नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क वसूली के लिए सिफारिश करने, जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हुए दिनांक 1 जनवरी, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी।

क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

(i) उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार प्राधिकारी ने जांच शुरू करने से पूर्व आवेदक द्वारा किए गए पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।

(ii) प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार 1 जनवरी, 2008 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भारत में संबद्ध देशों/भू-भागों के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधित सूचना के 40 दिन के भीतर संगत सूचना उपलब्ध कराने और अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।

(iii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6 के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और चीन जन. गण. तथा ताइवान के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को आवेदन के अगोपनीय रूपान्तरण की प्रतियाँ उपलब्ध कराईं।

(iv) भारत में चीन जन. गण. तथा ताइवान के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को नियम 6 के अनुसार इस अनुरोध के साथ जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पत्तों सहित उन्हें भी भेजी गई थी।

(v) आवेदक ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया था कि वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा (7) और (8) के मद्देनजर आवेदक के दावे की जांच करने का है। अतः चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दी गई थी कि वे पैराग्राफ 8 के उप-पैरा-(3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या ऐसे सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए जो यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि वे इस बात से संतुष्ट करते हैं कि उनके मामले में बाजारी शर्तें विद्यमान हैं।

(vi) प्राधिकारी ने नियम 8(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावली भेजी :

1. हुआ वाई इंडस्ट्रियल कंपनी लि. (जाइंटलोक)
1048, जियांग डा रोड, झाओतुंग टाउन
किंगडा कंट्री, शंघाई, चीन जन. गण.
2. (यीकिंग) गाउलिन (हॉक्सिन) इलेक्ट्रिक एपरेटस फैक्ट्री
झुयांग इंडस्ट्रियल जोन,

- यीकिंग, यीचिंग, झेजियांग
चीन जन. गण.
3. पावर इंडस्ट्री पार्ट बुक इंटरप्राइज
जेडकेई जियांग फिनिक्स इलेक्ट्रिक पावर फिटिंग कं. लि.
झेजियांग लुइसि जियाक्सी
 4. को-टेलेंट एन. लि. (सीटीएनएल)
यूनिट सं. 4, 3/एफ1/ लिनफू सेन्टर,
30, शियांग यिप स्ट्रीट
बुन टोंग, काउलून, हांगकांग
चाइना फेक्ट्री; मिझाउ, ग्यांगझांग
चीन जन. गण.
 5. कायगो प्लास्टिक्स मैनुफैक्चरिंग कं. लि.
नं. 58, लिथुले रोड, लुइसि टाउन
वेनझाउ, झेजियांग
चीन जन. गण.
 6. झेजियांग जुजिंग मीटर्स कं. लि.
नं. 18, फेनजिन रोड
झांगफेंग इंड जोन
लुइसि टावर
चीन जन. गण.
 7. यीजिंग क्युलिगेंग प्लास्टिक्स मैनुफैक्चरर्स कं. लि.
हॉक्सि इंड. डिस्ट्रिक्ट स्वांगहुआ टाउन
यीजिंग, झेजियांग
चीन जन. गण.
 8. वेनझाउ योंगजी इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट्स
आर नं. 2515-16, हार्बर मेन्सिऑन नं. 12 चेंगजिएंग रोड, लिआन
चीन जन. गण.
 9. वी. वाई. केबल्स एसेसरीज कं. लि.
88, शेंग. लि रोड, जेन- द हसियांग ताइवान हसि ताइवान

10. कार्इसुन सुह इंटरप्राइज कं. लि.
38, येह पिंग एन. रोड, सेक. 1, ताइपेई
ताइवान, आस्ओसी
11. जाइंटलॉक 1, 20वाँ रोड, ताइचुंग इंड. पार्क
ताइचुंग, ताइवान, आस्ओसी
12. एवीसी
नं. 248/27, शिन शेंग रोड
चिन झेन डिस्ट्रिक्ट, काओशियुंग सिटी
ताइवान

(vii) चीन जन. गण. और ताइवान के किसी निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

(viii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना हेतु संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को प्रश्नावली भेजी गई थी :

1. कृष्णा इलेक्ट्रॉनिक्स
2. दिगम्बर जैन मंदिर रोड, चौथा तल
कोलकाता
2. आनंदी इंटरनेशनल, कोलकाता
1, नेताई हलदर स्ट्रीट
कोलकाता-7
3. मल्टी इम्पेक्स, चेन्नई
145, लिंघी चेट्टी स्ट्रीट
प्रथम तल,
चेन्नई-600001
4. पीएस इंटरप्राइज, कोलकाता
32, एजरा स्ट्रीट,
कक्ष सं. 518
कोलकाता (प. बंगाल)-700001
5. सुमती चंद बोथरा, कोलकाता
32, एजरा स्ट्रीट, दूसरा तल

- कक्षा सं. 272 (एन)
कोलकाता (प. बंगाल)-700001
6. वायर एंड केबल कार्पो., नई दिल्ली
4, सोना बाजार, भागीरथ पैलेस, दिल्ली-110008
7. चौधरी इंटरनेशनल
केडी-47ए, अशोक विहार
फेज-1, दिल्ली-110052
8. बी. बी. कार्पोरेशन, चेन्नई
नं. 3, डेविडसन स्ट्रीट, भूतल
चेन्नई-600079
9. हीरावत मार्केटिंग सर्विसेज, कोलकाता
32, एजरा स्ट्रीट,
कक्षा सं. 518,
कोलकाता-700001
10. जितेन्द्र कुमार मोदी
2, दिगम्बर जैन मंदिर रोड
चौथा तल, कोलकाता-700007
11. शाह इंटरप्राइजेज, मुम्बई
147, लोहार चाल
हवावाला बिल्डिंग
दूसरा तल, कक्षा सं. 45
मुम्बई-400002
12. कृष्णा कमर्शियल कार्पो., चेन्नई
#2, वैकटपला
मुदाली लेन, दूसरा तल
चेन्नई-600003
13. प्रणव इलेक्ट्रिकल्स, वझेदरा
मार्फत- आशीष इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स
13, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स
ओल्ड पादरा रोड

बड़ोदरा-390007

14. मोदी इंडस्ट्रियल इंटरफेस
82/1-2, दूसरा तल
प्रभा मार्केट
एएम लेन चिकपेट क्रॉस
बंगलौर-560052

(ix) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/हितबद्ध पार्टियों ने अपने उत्तर दायर किये हैं :

- (क) पीएस इंटरप्राइज (द इलेक्ट्रिकल पीपल)
32, एजरा स्ट्रीट,
कक्ष सं. 518
कोलकाता (प. बंगाल)-700001
- (ख) हीरावत मार्केटिंग सर्विसेज, कोलकाता
32, एजरा स्ट्रीट,
कक्ष सं. 518,
कोलकाता-700001
- (ग) मै. एनिक्सटर इंडिया प्रा. लि.
163, लुजचर्च रोड, म्यालापुर
चेन्नई-600004
- (घ) मोदी इंडस्ट्रियल इंटरफेस
82/1-2, दूसरा तल
प्रभा मार्केट
एएम लेन चिकपेट क्रॉस
बंगलौर-560052
- (ङ.) मै. तालावत ट्रेडिंग कं.
145-एफ, एनएससी बोस रोड,
चेन्नई-600079
- (च) मै. यश सिंडिकेट प्रा. लि.
194/4, बांगुर एवेन्यु, दूसरा तल, “बी” ब्लॉक
कोलकाता-700055

(छ) आनंदी इंटरनेशनल, कोलकाता
1, नेताई हलदर स्ट्रीट
कोलकाता-7

(ज) मै. शेफाली इंटरप्राइजेज
11, युसूफ बिल्डिंग, भुतल
70, मंगलदास रोड, लोहार चाल, मुम्बई-400002

(x) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एण्ड एस) से अनुरोध किया गया कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के धीरे प्रस्तुत करें। डीजीसीआई एण्ड एस से प्राप्त सूचना पर वर्तमान जांच परिणामों में विश्वास किया गया है।

(xi) प्राधिकारी ने नियम 8(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(xii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत अनन्तिम रूप से निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग को प्रेक्टिस कर रहे लागत लेखाकार द्वारा विधिवत सत्यापित अपनी उत्पादन लागत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

(xiii) **** से इस जांच परिणाम में घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है।

(xiv) इस प्रयोजनार्थ वर्तमान जांच की जांच अवधि 1 अप्रैल, 2006 से 30 जून, 2007 (15 माह) की है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 1 अप्रैल, 2003 से जांच अवधि की समाप्ति तक की अवधि शामिल थी।

(xv) प्राधिकारी ने पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच से संगत समझी गई सूचना प्रस्तुत करने के लिए विद्याराधीन उत्पाद के आयातकों/औद्योगिक प्रयोक्ताओं को अवसर प्रदान किया।

(xvi) प्राधिकारी ने इस चरण पर आवश्यक समझी गई सीमा तक हितबद्ध पार्टियों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की सत्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया।

(xvii) जहाँ कहीं अनुरोध किया गया, अगोपनीय आवेदन की एक प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी उपलब्ध कराई गई थी।

(xviii) प्राधिकारी ने इस मामले में ग्राहक कीमत एवं लागत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि इनके प्रकटन से अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। घरेलू उद्योग की मात्रा से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय नहीं माना गया है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद केबल टाइज हैं। केबल टाइज एक अंतर्निहित गियर रैक और एक छोटे खुले केस के भीतर एक सिरे पर एक रैचेट, केबल/वायर बंधिंग प्रणाली की एक मितव्ययी एवं परिवर्तनशील पद्धति आदि के साथ एक मजबूत नायलोन टेप होते हैं। केबल टाइज को कई नामों से जाना जाता है उदाहरण के लिए निर्मुक्त करने योग्य या न योग्य (पुनःप्रयोज्य) टैग्स, स्ट्रैप्स, जिप टाइज, टाइरेप, रैट बेल्ट आदि और इनका अलग-अलग उपभोक्ताओं की अपेक्षानुसार विभिन्न आकारों में उत्पादन एवं बिक्री की जाती है। केबल टाइज वनपीस मोल्डेड तंत्र हैं जिनमें बाँधने और स्वतः लॉकिंग यंत्र वाले धातु के कॉटे या जटिल फान नहीं होते हैं। एक बार एक नॉन-रिलिजेबल केबल टाइज को बाँध दिए जाने पर इसके वापस खिंचे जाने पर इसके विपरीत होता है और इसे केवल अधिक कस कर ही बाँधा जा सकता है। केबल टाइज आमतौर पर एकल उपयोग वाले डिवाइसेज होते हैं। तथापि उपभोक्ता की माँग के अनुसार पुनःप्रयोज्य केबल टाइज का उत्पादन भी किया जाता है।

6. संबद्ध वस्तु नायलॉन के बनी होती है जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39.26 के उप शीर्ष 39.2690/3926.9010 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

7. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में समान वस्तु को “एक ऐसी वस्तु है जो विचाराधीन उत्पाद से हर प्रकार से समानरूप और समान वस्तु है अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु जो, यद्यपि हर तरह से समान नहीं है तथापि उसकी विशेषताएँ जाँचाधीन वस्तुओं की विशेषताओं से अत्यंत मिलती-जुलती हैं।” के रूप में परिभाषित किया गया है।

8. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में संबद्ध देशों से आयातित वस्तु से तुलनीय है। दोनों का उपयोग तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से अदल-बदल कर किया जाता है और इनमें अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएँ हैं। यह भी दावा किया गया है कि उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का अदल-बदलकर उपयोग किया गया है। जांच में आयातित और घरेलू उत्पाद के बीच कोई संभावित खास अंतर प्रदर्शित नहीं हुआ है। किसी हितबद्ध पार्टी ने यह दावा नहीं किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर है।

9. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु चीन, जपान, और ताइवान के मूल की या वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है और आयातित संबद्ध वस्तु में एक समान तकनीकी गुणधर्म और कार्य तथा उपयोग हैं और इनका उपयोग उपभोक्ताओं की एक समान श्रेणी द्वारा किया जा रहा है।

10. रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विवादाधीन उत्पाद को पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयात की जा रही वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग एवं आधार

11. यह आवेदन घरेलू उद्योग के रूप में मै. श्योरलॉक प्लास्टिक्स प्रा. लि., मुम्बई द्वारा दायर किया गया था। आवेदक ने दावा किया है कि भारत में संबद्ध वस्तु के चार और उत्पादक हैं, अर्थात् मै. माइक्रोसाइन प्रोडक्ट्स, भावनगर; मै. नोवाफ्लेक्स मार्केटिंग प्रा. लि., कोलकाता; मै. ब्लैकबर्न एंड कंपनी प्रा. लि., 24 परगना (दक्षिण), पश्चिम बंगाल और मै. फ्ल्यूकोन इंटरप्राइजेज, मुम्बई जिनमें से दो विवादाधीन उत्पाद के आयातक हैं और तदनुसार ऐसे उत्पादकों को नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का भाग न माना जाए। नियम 2(ख) निम्नानुसार है :

“ “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न समूचे घरेलू उत्पादकों या ऐसे उत्पादकों से है, जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख भाग बनता है, परन्तु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का एक भाग नहीं माना जाएगा।”

12. आवेदक ने दावा किया है कि प्राधिकारकर्ता का संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का 81% से अधिक हिस्सा बनता है और यह उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है (क्योंकि आवेदक कंपनी का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक है)।

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी हितबद्ध पार्टी या निर्यातक ने इस आशय का कोई तर्क नहीं दिया है कि आवेदक द्वारा नियमों में निर्धारित आधार संबंधी मानदण्ड को पूरा नहीं किया जाता है। प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि आवेदक उत्पादक नियम 5(3) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन दायर करने के आधार संबंधी मानदण्ड को पूरा करता है।

घ. न्यूनतम से कम सीमा

14. आवेदक ने आवेदन में दो स्रोतों से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए हैं जिसमें डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़े जो 30 जून, 2006 तक के हैं और इंफो-ब्लाइव 7 के आंकड़े जिसमें क्षति अवधि दर्शाई गई है, शामिल हैं। बाद में प्राधिकारी द्वारा समूची क्षति जांच अवधि को शामिल करते हुए डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़े माँगे गए थे। डीजीसीआई एण्ड एस से क्षति अवधि के लिए सौदे-वार आंकड़े प्राप्त हुए हैं

जिसमें कुछ विसंगतियाँ पाई गई हैं और इसलिए गौण स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों पर सीआईएफ निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान प्रत्येक संबद्ध देश से आयातित मात्राएं नियमों में निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक हैं।

ड. पाटन मार्जिन का निर्धारण

ड.1 निर्धारण की कार्यप्रणाली

15. चीन जन. गण. और ताइवान के किसी उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर नहीं मिला है। संबद्ध देशों के निर्यातकों से सहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं।

16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सिविल अपील सं. 2001 की 1294, मै. रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अन्य में भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णय दिया है कि सामान्य मूल्य निर्यातक विशिष्ट नहीं होता है अपितु निर्यातक देश विशिष्ट होता है।

17. उपर्युक्त आदेशों के अनुसरण में संबद्ध देशों के लिए संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। संबद्ध देशों के उत्पादक/निर्यातक से किसी उत्तर के अभाव में इस देश विशिष्ट सामान्य मूल्य की तुलना निर्धारित निर्यात कीमत के साथ की गई है।

ड.2 चीन जन. गण. और बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

18. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन जन. गण. एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और इसलिए चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 7 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करना अपेक्षित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन. गण. को डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को तर्क नहीं दिया है। चीन के किसी निर्यातक/उत्पादक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के व्यवहार हेतु कोई दावा नहीं किया गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 7 और 8(2) के अनुसार चीन जन. गण. को अंतिम निर्धारण के अध्यक्षीन अंतिम रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

ड.3 सामान्य मूल्य

19. संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने उनके देशों में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य और निर्यातक कीमत का निर्धारण करने के लिए जांच में सहयोग नहीं दिया है। अतः सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण करार के अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 8(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य

20. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन अंतर्राष्ट्रीय कीमत में से समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा की राशि को घटाकर प्रमुख कच्ची सामग्री (नायलॉन) की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर किया गया है। अन्य कच्ची सामग्री, परिवर्तन लागत, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय को 5% के लाभ मार्जिन (ब्याज को छोड़कर) के साथ घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत के अनुसार स्वीकार किया गया है। चीन जन. गण. के मामले में इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण *** रु./कि.ग्रा. (44.93 रु./अम. डा. की दर से *** अम. डा./कि.ग्रा.) किया गया है।

ताइवान में सामान्य मूल्य

21. ताइवान के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन अंतर्राष्ट्रीय कीमत में से समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा की राशि को घटाकर प्रमुख कच्ची सामग्री (नायलॉन) की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर किया गया है। अन्य कच्ची सामग्री, परिवर्तन लागत, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय को 5% के लाभ मार्जिन (ब्याज को छोड़कर) के साथ घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत के अनुसार स्वीकार किया गया है। ताइवान के मामले में इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण *** रु./कि.ग्रा. (44.93 रु./अम. डा. की दर से *** अम. डा./कि.ग्रा.) किया गया है।

निर्यात कीमत

22. याचिका के समय गौण स्रोतों से सौदे-वार आंकड़े घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए डीजीसीआई एण्ड एस से सौदे-वार आंकड़े माँगे गए हैं। डीजीसीआई एण्ड एस से जांच अवधि के लिए सौदे-वार आंकड़े प्राप्त हुए हैं जिनमें कुछ विसंगतियाँ पाई गई हैं और इसलिए गौण स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों पर सीआईएफ निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है। गौण स्रोतों से प्राप्त आयात आंकड़ों के अनुसार सीआईएफ निर्यात कीमत क्रमशः चीन जन. गण. के मामले में 60.91 रु./कि.ग्रा. और ताइवान के मामले में 125.92 रु. बनती है। घरेलू उद्योग द्वारा समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए उपलब्ध कराए गए कीमत समायोजनों पर विचार करने के त्वाव कारखाना निर्यात कीमत क्रमशः चीन के लिए *** रु./कि.ग्रा. और ताइवान के लिए *** रु./कि.ग्रा. निर्धारित की गई है। *** रु. की दर से 1 अम. डा. मानते हुए कारखाना निर्यात कीमत चीन के लिए *** अम. डा. और ताइवान के लिए *** अम. डा. निर्धारित की गई है।

ड.4 पाटन मार्जिन

23. पाटन मार्जिन के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

	रु./कि.ग्रा. - चीन जन. गण.	डॉलर/कि.ग्रा. - चीन जन. गण.	रु./कि.ग्रा. - ताइवान	डॉलर/कि.ग्रा. - ताइवान
सीएनवी	*****	*****	*****	*****
निवल निर्यात कीमत	*****	*****	*****	*****

पाटन मार्जिन	*****	*****	*****	*****
पाटन मार्जिन %	342%	342%	108%	108%

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन जन. गण. और ताइवान से पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

च. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली और कारणात्मक संबंध की जांच

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

24. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि संबद्ध देशों अर्थात् चीन जन. गण. और ताइवान से आयातों के हिस्से में न केवल कुल आयातों के संबंध में वृद्धि हुई है अपितु आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुल मांग और कुल उत्पादन की तुलना में भी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों से घरेलू कीमतें प्रभावित हुई हैं और जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री भी अधिक रही है। क्षति एवं जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से, क्षमता उपयोग, लाभप्रदता, निवेश पर आय, नकद प्रवाह, वृद्धि आदि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है लेकिन बिक्री में हुई यह वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से कम रही है। चीन जन. गण. और ताइवान दोनों से पाटन मार्जिन क्षति अवधि के दौरान काफी अधिक रहा है।

च.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

25. प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों द्वारा अपने अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है।

च.2.1 संघर्षी निर्धारण

26. पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 11 में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच करने का प्रावधान है। जहाँ तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में सकारात्मक कटौती की गई है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतें अन्यथा पर्याप्त स्तर तक कम हुई हैं अथवा कीमत में ऐसी वृद्धि होने में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

27. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर सम्बद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव और उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, कीमत और लाभप्रदता आदि पर प्रभाव की जाँच की है ताकि क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जाँच की जा सके।

28. चूंकि संबद्ध देश से हुए निर्यातों के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन की पुष्टि की गई है इसलिए संबद्ध देश से हुए सभी निर्यातों को क्षति विश्लेषण तथा कारणात्मक संबंध की जाँच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना जा रहा है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि :

(क) चीन जन. गण. से आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है क्योंकि इनमें आधार वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान चार गुने से अधिक वृद्धि हुई है। क्षति अवधि में आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(ख) ताइवान से आयातों में भी समग्र रूप में वृद्धि हुई है। जाँच अवधि के दौरान आयात आधार वर्ष के दौरान हुए आयातों के दो गुने से अधिक हुए हैं और क्षति अवधि में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(ग) आयातों में समग्र रूप में हुई वृद्धि से इनके बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

घ.3 मात्रात्मक प्रभाव

घ.3.1 आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

29. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा अन्य गौण स्रोतों (अर्थात् इंपो ड्राइव, मुंबई) से उपलब्ध कराए गए आयात संबंधी आँकड़ों की जाँच की है और संबद्ध देशों से आयात की मात्रा निम्नानुसार रही है :

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि	जाँच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन	मी. टन	29	13	15	152	122
ताइवान	मी. टन	122	92	169	323	258
संबद्ध देशों से कुल	मी. टन	151	105	184	475	380
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	70	122	251	251
अन्य देश	मी. टन	0	3	0	28	23
कुल आयात	मी. टन	151	108	184	503	403
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	72	122	267	267

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट हो जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है और इनमें आधार वर्ष 2003-04 से जाँच अवधि तक 251% की वृद्धि हुई है।

30. विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध आयात संबंधी आंकड़े और भारत में केबल टाइज की कुल माँग में घरेलू उद्योग की बिक्री निम्नानुसार है :

अकलित माँग		2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	*****	*****	*****	*****	*****
चीन जन. गण. से आयात	मी. टन	29	13	15	152	122
ताइवान से आयात	मी. टन	122	92	169	323	258
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	151	105	184	475	380
अन्य देशों से आयात	मी. टन	0	3	0	28	23
कुल माँग	मी. टन	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	97	137	293	244

उत्पाद की माँग में समग्र रूप में और आधार वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक 244% की सीमा तक वृद्धि हुई है।

ब.3.2 घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव

31. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच (क) कीमत कटौती (ख) कम कीमत पर बिक्री (ग) कीमत ह्रास और (घ) कीमत न्यूनीकरण के संबंध में की गई है जो निम्नानुसार है :

(क) कीमत कटौती

32. क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती काफी अधिक हुई है जिसका ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

(रु./कि. ग्र.)

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
निवल बिक्री प्राप्तियाँ	*****	*****	*****	*****	*****
आयातों का पहुँच मूल्य					
चीन जन. गण.	36	51	52	70	70
ताइवान	128	103	107	144	144
संबद्ध देश	99	90	100	120	120
कीमत कटौती					
रु./मी. टन					

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन जन. गण.	*****	*****	*****	*****	*****
ताइवान	*****	*****	*****	*****	*****
संबद्ध देश	*****	*****	*****	*****	*****
कीमत कटौती (% - परस)					
चीन जन. गण.	85-90	80-85	80-85	75-80	75-80
ताइवान	50-55	60-65	65-70	50-55	50-55
संबद्ध देश	60-65	65-70	65-70	60-65	60-65

(ख) कम कीमत पर बिक्री

33. पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री निम्नानुसार रही है :

	रु./कि.ग्रा.	कम कीमत पर बिक्री	
		रु./कि.ग्रा.	% (परस)
क्षति रहित कीमत	*****		
पहुंच मूल्य			
चीन जन. गण.	70	****	75-80
ताइवान	144	****	52-58
संबद्ध देश	120	****	60-65

(ग) कीमत ह्रास एवं कीमत न्यूनीकरण

34. पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव की जांच भी निम्नलिखित तालिका के अनुसार बिक्री लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य के संदर्भ में की गई है :

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	136	150	150
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./कि.ग्रा.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	112	114	114
पहुंच कीमत-चीन	रु./कि.ग्रा.	36	51	52	70	70
पहुंच कीमत-ताइवान	रु./कि.ग्रा.	128	103	107	144	144

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट हो जाता है कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री लागत और निवल बिक्री प्राप्ति में वृद्धि हुई है तथापि बिक्री प्राप्ति में वृद्धि की प्रवृत्ति बिक्री लागत में हुई वृद्धि से कम रही है और घरेलू उद्योग कीमत ह्रासकारी पाटित आयातों द्वारा लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप कीमत बढ़ाने से वंचित हुआ है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में मामूली वृद्धि हुई है और यह घरेलू उद्योग की कीमत ह्रासकारी बिक्री लागत से काफी कम रही है।

क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जांच

35. प्राधिकारी ने विभिन्न आर्थिक कारकों और घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले संकेतकों के संबंध में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की जांच की है जिन्हें नीचे स्पष्ट किया गया है :

(i) **बिक्री मात्रा :** घरेलू बिक्री मात्रा वर्ष 2003-04 में *** मी. टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** मी. टन हो गयी है जिसमें 104% की वृद्धि हुई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू बिक्री (मी. टन)	*****	*****	*****	*****	*****
घरेलू बिक्री (सूचीबद्ध)	100	138	161	204	204

तथापि, यह वृद्धि माँग में हुई वृद्धि से कम रही है।

(ii) **बाजार हिस्सा :** घरेलू उद्योग, संबद्ध देशों से हुए आयातों और अन्य देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं :

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन जन. गण.	29	13	15	152	122
चीन (सूचीबद्ध)	100	45	52	421	421
ताइवान	122	92	169	323	258
ताइवान (सूचीबद्ध)	100	75	139	211	211
संबद्ध देश	151	105	184	475	380
संबद्ध देश (सूचीबद्ध)	100	70	122	251	252
अन्य देश	0	3	0	28	23
घरेलू उद्योग	*****	*****	*****	*****	*****
घरेलू उद्योग (सूचीबद्ध)	100	138	161	204	204
कुल माँग	*****	*****	*****	*****	*****
माँग में % हिस्सा					
चीन जन. गण.	12	6	5	21	21
ताइवान	51	39	51	44	44
संबद्ध देश	63	45	56	65	65

(मात्रा मी. टन में)

अन्य देश	0	1	0	4	4
घरेलू उद्योग	37	54	44	31	31
कुल	100	100	100	100	100

क्षति अवधि के दौरान संबद्ध पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 83% से बढ़कर 85% हो गया और घरेलू उद्योग का हिस्सा इसी अवधि के दौरान आधार वर्ष में 37% से घटकर 31% हो गया। वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 37% था जो वर्ष 2004-05 में बढ़कर 54% हो गया। वर्ष 2005-06 में यह घटकर 44% और जांच अवधि में आगे और घटकर 31% हो गया जबकि संबद्ध वस्तु की मांग में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक 244% की वृद्धि हुई है। स्पष्ट है कि पाटित आयातों का प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पक्ष है।

(iii) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग : घरेलू उद्योग का उत्पादन वर्ष 2003-04 में *** मी. टन से बढ़कर जांच अवधि में *** मी. टन हो गया जिसमें 125% की वृद्धि हुई। क्षमता में 120% की वृद्धि हुई जो *** मी. टन से बढ़कर वर्ष 2005-06 में *** मी. टन हो गयी। क्षमता उपयोग वर्ष 2003-04 में *** % से बढ़कर 2004-05 में ***% हो गया जो वर्ष 2005-06 में घटकर ***% और जांच अवधि में बढ़कर ***% हो गया।

[मात्रा मी. टन में]

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
स्थापित क्षमता (मी. टन)	125	125	275	344	275
उत्पादन (मी. टन)	*****	*****	*****	*****	*****
उत्पादन (सूचीबद्ध)	100	133	183	228	228
क्षमता उपयोग (%)	*****	*****	*****	*****	*****

उपर्युक्त तालिका से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमता बनी हुई है।

(iv) उत्पादकता : घरेलू उद्योग ने क्षमता एवं माँग में वृद्धि के कारण उत्पादकता में कोई गिरावट दर्ज नहीं की।

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन (मी. टन)	*****	*****	*****	*****	*****
कर्मचारियों की सं.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रति कर्मचारी उत्पादकता (मी. टन)	5.93	7	9.05	10.05	10.05

(v) लाभ एवं निवेश पर आय : इन वर्षों के दौरान घरेलू उद्योग का लाभ और निवेश पर आय निम्नानुसार है :

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	112	114	114
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	136	150	150
लाभ/हानि प्रति कि.ग्रा.	रु./कि.ग्रा.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	56	28	28
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	रु./लाख	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	100	96	78
नियोजित पूंजी (एनएफए)	रु./लाख	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	186	174	174
नियोजित पूंजी पर आय	%	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	55	45	45

(क) यह स्पष्ट है कि बिक्री कीमत में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक केवल 14% की वृद्धि हुई है जबकि इसी अवधि के दौरान बिक्री लागत में 50% की वृद्धि हुई है। बिक्री कीमत बिक्री लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप नहीं रही है और इससे घरेलू उद्योग के लाभप्रदता में गिरावट आई है।

(ख) बिक्री मात्रा में पर्याप्त वृद्धि के बावजूद जांच अवधि के दौरान बिक्री की प्रति इकाई लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है।

(ग) लाभप्रदता में गिरावट के परिणामस्वरूप क्षति अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आई है अर्थात् उच्चतर उत्पादन और बिक्री मात्रा के बावजूद घरेलू उद्योग के लिए निवेश पर आय में गिरावट की प्रवृत्ति रही थी।

(vi) मालसूची : वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मालसूची के स्तर में मामूली गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के पास तैयार माल की सूची निम्नानुसार रही है :

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
औसत मालसूची	मी. टन	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	75	140	130	130

क्षमता उपयोग में गिरावट के बावजूद आधार अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है। मालसूची में वृद्धि वर्ष 2005-06 में शुरू हुई। यह वह समय था जब आयातों में भी वृद्धि शुरू हो गई थी। घरेलू उद्योग के समक्ष उसकी मालसूची में निधियाँ फँसने की समस्या उत्पन्न हुई जिसे संबद्ध देशों से हुए सस्ते आयातों के कारण बेचा नहीं जा सका।

(vii) नकद प्रवाह : नकद लाभ के संबंध में आकलित नकद प्रवाह की स्थिति निम्नानुसार रही है :

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री की मात्रा	मी. टन	*****	*****	*****	*****	*****
नकद प्रवाह	रु. लाख में	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	116	113	113
बिक्री की प्रति इकाई के लिए नकद लाभ	रु./कि.ग्रा.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	72	56	56

यह स्पष्ट हो जाता है कि वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक प्रति इकाई बिक्री नकद लाभ में सतत गिरावट आई है।

(viii) रोजगार : क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार की स्थिति निम्नानुसार रही है :

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
कर्मचारियों की सं.	सं.	*****	*****	*****	*****	*****

स्थापित क्षमता और उत्पादन में वृद्धि के कारण क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास रोजगार में वृद्धि हुई।

(ix) मजदूरी : मजदूरी और उत्पादन लागत पर उसका प्रभाव निम्नानुसार है :

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मजदूरी	रु./लाख	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	160	180	260	260
मजदूरी प्रति इकाई उत्पादन	रु./कि.ग्रा.	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	100	117	117

उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि उत्पादन की प्रति इकाई पर प्रदत्त मजदूरी में मामूली वृद्धि हुई है।

(x) वृद्धि : वर्ष 2005-06 के दौरान स्थापित क्षमता में 120% की वृद्धि हुई। तथापि स्थापित क्षमता में वृद्धि के बाद जांच अवधि के दौरान कुल क्षमता का ***% अप्रयुक्त बना रहा यद्यपि वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की माँग में 143% की वृद्धि हुई।

(xi) पूंजी या निवेश जुटान की क्षमता : लगाई गई पूंजी पर आय में कमी के कारण निवेशों पर पूंजी जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(xii) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक : क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में ***% की वृद्धि हुई जबकि बिक्री प्राप्ति में केवल ***% की वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग बिक्री लागत के अनुरूप बिक्री कीमत बढ़ाने में असमर्थ रहा है।

(xiii) पाटन मार्जिन की मात्रा : अलग-अलग देशों से पाटन मार्जिन 2% के न्यूनतम स्तर से काफी अधिक रहा था।

घ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने निम्नानुसार पाया है :

(i) क्षति अवधि के दौरान बिक्री कीमत और प्रति इकाई बिक्री लागत में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है परंतु बिक्री लागत में वृद्धि प्रति इकाई बिक्री कीमत में वृद्धि से अधिक हुई है। प्रति इकाई लाभ वर्ष 2003-04 के दौरान *** रु. से घटकर जांच अवधि के दौरान *** रु. हो गया।

(ii) क्षति अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आई है।

(iii) नकद लाभ वर्ष 2003-04 के दौरान *** रु. से घटकर जांच अवधि के दौरान *** रु. हो गया।

(iv) चीन जन. गण. और ताइवान के मूल की या वहाँ से निर्यातित केबल टाइज का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।

(v) जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से निर्यात कीमत पाटित स्तर पर बनी रही है। इसके अलावा, इन कीमतों में आधार वर्ष की अवधि से हुई निविष्टि की कीमतों में वृद्धि के अनुपात में बढ़ोत्तरी नहीं हुई है और इसके विपरीत जांच अवधि में अत्यधिक गिरावट आई है।

(vi) संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर अत्यधिक कटौती की गई है।

उपर्युक्त को देखते हुए हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि :

क. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इसमें समग्र रूप में और भारत में कुल आयात, मांग और घरेलू उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है।

ख. घरेलू उद्योग की मांग में बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

ग. कच्ची सामग्री की लागत और उत्पादन लागत में वृद्धि के बावजूद क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की सीआईएफ आयात कीमत और पहुँच कीमत में गिरावट देखी गई है।

घ. संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी कम थी जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई। इससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

ङ. संबद्ध देशों से कीमत कटौती और कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बाजार में कीमत का ह्रास हुआ। घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं था।

च. अत्यधिक सकारात्मक कीमत कटौती और घरेलू उद्योग के समक्ष परिणामी कीमत ह्रास की समस्या के परिणामस्वरूप लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय में विकृति आई।

छ. इस अवधि के दौरान यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई तथापि यह वृद्धि घरेलू उद्योग के पास उत्पादन क्षमताओं और देश में माँग में हुई वृद्धि से काफी कम थी।

ज. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

झ. संबद्ध देशों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

36. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ.1 कारणात्मक संबंध

37. प्राधिकारी ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार और यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध II के पैरा (v) के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण

के बारे में अपने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए समस्त ज्ञात कारकों के प्रभाव और घरेलू उद्योग की स्थिति पर उसके परिणामों की जांच की है। पाटित आयातों से भिन्न ज्ञात कारकों जिनसे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, की भी जांच की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति का कारण पाटित आयातों को नहीं माना गया है।

ज. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

38. उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में और माँग में हिस्से के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। माँग में भारी वृद्धि होने के बावजूद संबद्ध देशों से हुए आयातों में वृद्धि की वजह से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से को अत्यधिक विस्थापित किया है जिससे घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु का उत्पादन और बिक्री करने से वंचित हुआ है और परिणामतः अप्रयुक्त उत्पादन क्षमताएं बनी रही हैं। चीन जन. गण. और ताइवान से पाटित आयातों के पहुंच मूल्य से घरेलू उद्योग के कीमतों में अत्यधिक कटौती और कम कीमत पर हुई बिक्री का पता चलता है जिससे घरेलू उद्योग को कीमत में ह्रास करना पड़ा है। परिणामतः क्षति अवधि के दौरान लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में भारी गिरावट आई है जिससे घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रतिकूल कीमत प्रभाव का पता चलता है। इस प्रकार विभिन्न मापदण्डों से सामूहिक रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

39. प्राधिकारी ने नियमों में दिए गए प्रावधानों के अनुसार कारणात्मक संबंध एवं अहेतुकारी कारकों की भी जांच की है ताकि अन्य कारकों से क्षति, यदि कोई हो, को अलग किया जा सके। इस संबंध में नियमों में निर्धारित निम्नलिखित संकेतक कारकों की जांच की गई है।

क. दूसरे देशों से हुए आयात : संबद्ध देशों से हुए आयातों की तुलना में अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात नगण्य रहे हैं। अन्य देशों से आयात की कीमतें भी पर्याप्ततः अधिक रही थीं। ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि अन्य देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

ख. माँग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन : यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान माँग में कोई कमी नहीं आई है और माँग की पद्धति में भी कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। इसके विपरीत संबद्ध वस्तु की समग्र माँग में वृद्धि हुई है और खपत की पद्धति विचाराधीन उत्पाद के पक्ष में परिवर्तित हो रही है। अतः माँग में संभावित गिरावट ऐसा कोई कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो और ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि खपत की पद्धति से घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

ग. व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा की स्थितियाँ : प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादक और अन्य प्रतिस्पर्धी उद्योगों द्वारा अपनाया गया कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार अथवा प्रतिस्पर्धा की कोई अन्य स्थिति नहीं पाई है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

घ. प्रौद्योगिकी विकास : क्षति अवधि के दौरान प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन प्रतीत नहीं होता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पार्टी ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण है।

ङ. निर्यात निष्पादन : घरेलू उद्योग ने जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यात निष्पादन में सुधार प्रदर्शित हुआ है। जहाँ तक लाभ का संबंध है, घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन को अलग किया गया है और संबद्ध वस्तु के लिए क्षति के निर्धारण हेतु केवल घरेलू निष्पादन पर विचार किया गया है।

च. उत्पादकता : क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है और इसलिए यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकती है।

झ. क्षति मार्जिन की मात्रा

40. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना गौण स्रोत से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर निर्धारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है और क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है।

क्षति मार्जिन की गणना

	क्षति मार्जिन	
	(अम. डॉलर/कि.ग्रा.)	रु./कि.ग्रा.
चीन जम. गण. से कुल निर्यात	*****	*****
ताइवान से कुल निर्यात	*****	*****

निष्कर्ष

41. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने यह पाया है कि :

- (क) संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ट. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

43. प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू करने से सम्बद्ध वस्तुओं अथवा सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क के उद्ग्रहण को घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित कर दिया जाएगा। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन पद्धतियों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और सम्बद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को उनकी पसन्द की वस्तुओं की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। पाटनरोधी उपाय लागू करने से सम्बद्ध देशों से आयातों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आएगी; अतः उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ठ. सिफारिशें

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को प्रदान की गई थी और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त समय प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की प्रारंभिक जाँच शुरू कर उसे सम्पन्न करने के बाद और संबद्ध देशों के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि जाँच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हुए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित प्रपत्र और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

45. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/उप शीर्ष/टैरिफ	माल का विवरण	विविर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	चीन जन. गण.	कोई	कोई	कोई	144.44	प्रति कि. ग्रा.	रु.
2	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	144.44	प्रति कि. ग्रा.	रु.
3	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	ताइवान	कोई	कोई	कोई	134.14	प्रति कि. ग्रा.	रु.
4	39.2690	केबल टाइज	किसी आकार का	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	ताइवान	कोई	कोई	134.14	प्रति कि. ग्रा.	रु.

ड. आगे की प्रक्रिया

46. प्रारंभिक जाँच परिणाम अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

- (क) प्राधिकारी इन जाँच परिणामों पर सभी हितबद्ध पार्टियों से टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जाँच परिणाम में विचार किया जाएगा;
- (ख) निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जाँच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
- (ग) प्राधिकारी द्वारा विभिन्न हितबद्ध पार्टियों के मौखिक विचारों की सुनवाई करने के लिए सुनवाई की जाएगी।
- (घ) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;
- (ड.) प्राधिकारी द्वारा अंतिम जाँच परिणाम की घोषणा किए जाने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd September, 2008

PRELIMINARY FINDINGS

Subject: Anti-Dumping investigation concerning the imports of Cable Ties originating in or exported from China PR and Taiwan.

F.No. 14/10/2007-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s. Surelock Plastics Pvt. Ltd, Mumbai (hereinafter referred to as the Applicant) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) alleging dumping of Cable Ties (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Taiwan (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti- dumping duties on the subject goods.

3. And whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, after examination of the same with regard to adequacy and accuracy issued a public notice dated 1st January 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning import of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the Rule 6 (1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation by the Authority.

- i) The Authority notified to the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the Applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- ii) The Authority sent copies of initiation notification dated 1st January, 2008 to the Embassies/Trade Representatives of the subject countries/territories in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to provide relevant information and make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (iii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies/Trade Representatives of China PR and Taiwan in accordance with Rule 6 supra.
- (iv) The Embassies/trade representatives of China PR and Taiwan in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6 with a request to advise the exporters/ producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporters/producers was also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- (v) The applicant requested the Authority to treat China PR as a non-market economy country for the purpose of present investigations. The Authority informed the known exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore advised to furnish necessary information/ sufficient evidence, as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider whether market economy treatment should be granted to cooperating exporters/producers who could demonstrate that they satisfy that market conditions prevail in their case.
- (vi) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4);
 1. Hua Wei Industrial Co.Ltd. (Giantlok)
1048, Xiang Da Rd, Zhaotun Town
Qingau Country, Shanghai , China PR
 2. (Yueqing) Gaulin (Huaxin) Electricappratus Factory
Zhuyang Industrial Zone
Yueqing, Yuecheng, Zhejiang
China PR

3. Power Industry Part Book Enterprise
ZKE JIANG PHOENIX ELECTRIC POWER FITTING CO. LTD.
Zhejiang Lushi Jiaxi.
4. Co-Talent n Limited (CTNL)
Unit No. 4, 3/F1, WllnFu Centre,
30, Shlag Yip Street
Kwun Tong, Kowloon, Hong Kong
China Factory: Melzhou, Guangdong,
China PR
5. Kaygo Plastics Manufacturing Co.Ltd.
No. 58, Liule Road, Lushi Town
Wenzhou, Zhejiang
China PR
6. Zhejiang Glujing Meters Co Ltd.
No.18 Fenjin Road,
Dongfeng Ind Zone
Lushi Tower,
China PR
7. Yueging Qiligang Plastics Manufacturers Co.ltd.
Huaxi Indl. District Huanghua Town
Yueging, Zhejiang
China PR
8. Wenzhou Yongji Electric Equipments
R.No. 2515-16, Harbor Mansion No.12 Changjieng Road, Dlian
China PR
9. V.Y.Cables Accessories Co.Ltd.
88, Sheng Li Road, Jen-The Hsiang Taiwan HsieTaiwan
- 10.Kai Sun Suh Enterprise Co.Ltd.
38, Yeh Ping N.Road, Sec.1, Taipei
Taiwan R.O.C
11. Giantlok1,20th Road, Taichung Industrial Park
Taichung, Taiwan ROC
- 12.AVC
No. 248-27, Hsin Sheng Road
Chien Zhen District, Kaoshiung City
Taiwan

- (vii) In response to the initiation notification no exporter/producer from china PR and Taiwan has responded to the questionnaire.
- (viii) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):
1. Krishna Electronics,
2, Digambar Jain Temple Road, 4th Floor
Kolkata.
 2. Anandi International , Kolkatta
1, Netai Halder Street
Kolkata -7
 3. Multi Impex, Chennai
145 Linghi Chetty Street
1st Floor,
Chennai - 600 001
 4. P.S. Enterprise, Kolkatta
32, Ezra Street,
Room No. 518,
Calcutta (W.B) - 700 001
 5. Sumati Chand Bothra, Kolkatta
32, Ezra Street, 2nd floor,
Room No. 272(N)
Calcutta (W.B) - 700 001
 6. Wire & Cable Corporation, New Delhi
4, Sona Bazar, Bhagirath Palace, Delhi - 110 006
 7. Choudhary International
KD-47A Ashok Vihar,
Phase-I, Delhi - 110 052
 8. B.B. Corporation, Chennai
No.3, Davidson Street,
Ground Floor,
Chennai - 600 079
 9. Hirawat Marketing Services, Kolkatta
32, Ezra Street,
Room No. 518
Kolkata - 700 001

10. Jeetendra Kumar Modi,
2, Digamber Jain Temple Road,
4th Floor, Kolkata – 700 007.
11. Shah Enterprises, Mumbai
147, Lohar Chawl
Tawawala Bldg.
2nd Floor, R.No.45
Mumbai – 400 002
12. Krishna Commercial Corpn.Chennai
#2, Venkatachala
Mudali Lane, 2nd Floor
Chennai – 600 003
13. Pranav Electricals, Vadodara
C/o. Ashish Electricals & Electronics
13, Rajlaxmi Complex
Old Padra Road
Vadodara – 390 007
14. Modi Industrial Interface
82/1-2, 2nd Floor, Prabha Market
A.M.Lane Chickpet Cross
Bangalore – 560052

(ix) In response to the above notification the following importers/interested parties have filed their submissions.

- (a) M/s. P.S. Enterprise(The Electrical People)
32, Ezra Street, Kolkata-700001.
- (b) M/s. Hirawat Marketing Services,
32, Ezra Street, Kolkata-700001.
- (c) M/s. Anixter India Pvt. Ltd.,
163, Luz Church Road, Mylapore,
Chennai-600004
- (d) M/s. Modi Industrial Interface,
82/1-2, 2nd Floor, Prabha Market,
A.M. Lane, Chickpet, Bangalore-560 053.
- (e) M/s. Talawat Trading Co.,
145-F, NSC Bose Road, Chennai-600079.

- (f) M/s. Yash Syndicate Pvt. Ltd.
194/4, Bangur Avenue, 2nd Floor, 'B' Block,
Kolkata-700 055.
- (g) M/s. Anandi International
1, Netaji Halder Street
Kolkata -700 007
- (h) M/s. Shafali Enterprises,
11, Yusuf Building, Ground floor,
70, Mangaldas Road, Lohar Chawl, Mumbai-400002
- (x) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and for the period of investigations. Information received from the DGCIS, has been relied upon in the present findings;
- (xi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- (xii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry. For the purpose, domestic industry was directed to provide its cost of production duly certified by a practicing cost accountant.
- (xiii) *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by the Authority on merits under the Rules.
- (xiv) The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st April, 2006 to 30th June, 2007 (15 months). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1st April 2003 to the end of the POI.
- (xv) The Authority provided opportunity to the importers/ industrial users of the product under consideration to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality.

- (xvi) The Authority satisfied itself with regard to accuracy of the information provided by the interested parties to the extent considered necessary at this stage.
- (xvii) A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- (xviii) The Authority in this case has considered the data relating to customers' price and costing as confidential as the disclosure of the same may give the competitive advantage to the other interested parties. The data relating to volumes of domestic industry has not been treated as confidential.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product under consideration in the present petition is Cable Ties. Cable Ties consists of sturdy nylon tape with an integrated gear rack and on one end a ratchet within a small open case. This is an economical and versatile method of Cable/Wire bunching systems. Cable Ties are known by several names e.g. non-releasable or releasable (reusable) tags, straps, zip ties, tie wrap, rat belt etc. and produced & sold in different sizes as per requirement of the customers. Cable Ties are a one piece moulded mechanism with no metal barbs or cumbersome wedges having fastening and self locking device. Once a non-releasable cable tie is pulled through, it prevents from being pulled back allowing tighter pulling only. Cable ties are generally single use devices. However reusable Cable Ties are also produced according to the demand of the customers.

6. The subject goods are made of Nylon falling under chapter 39.26 of the Customs Tariff Act, 1975, under Subheading 39.2690/3926.9010. However the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation

7. Rule 2(d) of AD Rules defines Like Article as, "*an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation*".

8. The Applicant claimed that there is no significant difference in the subject goods produced by the domestic industry and exported from the subject countries. Subject goods produced by the domestic industry are comparable to the imported ones from subject countries in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Both are technically and commercially substitutable and hold close resembling characteristics. It has been claimed that the consumers have used the two interchangeably. The investigation has not shown any possible significant difference between the imported and domestic product. There is no claim from any interested party that there is significant difference

between the subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject countries.

9. The applicant has claimed that goods produced by them are like article to the goods originating in or exported from China PR and Taiwan and the imported subject goods bear the same technical properties as well as function & uses and are being used by same category of consumers.

10. After considering the evidence on record, product under consideration produced by the domestic industry is being treated as like article to the goods being imported from the subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

C. Domestic Industry and Standing

11. The application was filed by M/s. Surelock Plastics Pvt. Ltd. Mumbai as domestic industry. The applicant claimed that there are four other producers of subject goods in India, namely M/s. Microsign Products, Bhavnagar, M/s. Novaflex Mktg. Pvt. Ltd. Kolkata, M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd. 24, Parganas(South) West Bengal and M/s. Flu-Con Enterprises, Mumbai, out of which two are importers of product under consideration and accordingly such producers may be deemed not to form part of domestic industry, in terms of Rule 2 (b) of the Rules which states as under:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry".

12. The applicant claimed that the petitioner holds over 81 % of the total domestic Production of the subject goods and that they constitute the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the rules supra (as the production of the applicant company constitute more than 50 % of total Indian production).

13. The Authority notes that there are no arguments from the interested parties or the exporters that the applicant does not meet the criteria of standing as laid down under the Rules. The Authority determines that applicant producer satisfy the criteria of standing to file the application on behalf of the domestic industry in terms of Rule 5(3).

D. De-Minimis Limits

14. The applicant provided import statistics from two sources in the application with DGCI&S data covering upto 30th June 2006 and Info-Drive service, covering the entire injury period. Subsequently, DGCI&S statistics covering the entire injury investigation period was called by the Authority. The transaction wise data for the injury period has

been received from the DGCIS in which discrepancies have been noted and hence data available from secondary sources has been considered to determine CIF export price. The Authority notes that the quantities imported from each of the subject countries during the POI were above the de minimis limits prescribed under the Rules.

E. Determination of Dumping Margin

E.1 Methodology of Determination

15. There is no response from any producer/exporter from China PR and Taiwan. The Authority has recorded these findings on the basis of best available information in view of non cooperation from the exporters from the subject countries.

16. The Authority notes that the Hon'ble Supreme Court of India, in the Civil Appeal No.1294 of 2001, M/s. Reliance Industries Ltd. Vs. Designated Authority and others has held that the normal value is not exporter-specific but exporting country-specific.

17. In pursuance of the above orders, normal value of the subject goods for the subject countries has been determined. These country-specific normal value has been compared with the export prices determined in absence of any response from the producer/exporter of the subject countries.

E.2 China PR and Examination of Market Economy claims

18. The domestic industry has claimed that China PR is a non-market economy country and therefore, the normal value in the case of China PR is required to be determined as per procedure described in Para 7 of Annexure I to the Anti Dumping Rules. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. None of the producers/exporters from China PR have responded to the Authority. There is no claim for treatment of market economy status by any Chinese producer/exporter. Therefore, in terms of para 7 and 8(2) of the Annexure I of Anti Dumping Rules, China PR has been treated as a non-market economy country, provisionally, subject to final determination.

E.3 NORMAL VALUE

19. No exporter from the subject countries have cooperated in the investigation to enable to determine normal value and export price of the subject goods in their countries. Therefore, normal value, export price and dumping margin have been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.

Normal Value in China P.R.

20. Normal Value for China PR has been constructed on the basis of international prices of major raw material (Nylon) by reducing ocean freight and marine insurance

amount from the international price. Other raw materials, conversion cost, general and administrative expenses has been adopted as per domestic industry's cost of production together with a 5% margin of profit (excluding interest). The normal value so constructed in case of China PR is determined as Rs. **** per Kg (US\$ **** per kg @Rs44.93 per US\$).

Normal Value in Taiwan

21. Normal value for Taiwan has been constructed on the basis of international prices of major raw material (Nylon) at Taiwan by reducing ocean freight and marine insurance amount from the international price. Other raw materials, conversion cost, general and administrative selling expenses has been adopted as per domestic industry's cost of production together with a 5% margin of profit (excluding interest). The normal value so constructed in case of Taiwan is determined as Rs. **** per Kg (US\$ **** per kg @Rs.44.93 per US\$).

Export Price

22. At the time of petition, transaction-wise data from secondary sources was provided by the domestic industry. The transaction wise data from DGCIS has been called for the POI and previous three years. The transaction wise data for the injury period has been received from the DGCIS in which discrepancies have been noted and hence data available from secondary sources has been considered to determine CIF export price. The CIF export price as per the import data from secondary sources is Rs. 80.91 per Kg. in case of China PR and Rs. 125.92 per Kg. in case of Taiwan respectively. After considering price adjustments, as provided by the domestic industry on account of ocean freight & marine insurance, the ex factory export price has been determined as Rs. **** per Kg. for China PR and Rs. *** per Kg. for Taiwan respectively. Considering the one US\$ @ Rs. **, the ex factory export price has been determined as US \$*** for China PR and US\$ *** for Taiwan..

E.4 Dumping Margin

23. The details of dumping margin are as under:

	Rs./Kg - China PR	\$ / Kg - China	Rs./Kg - Taiwan	\$ / Kg - Taiwan
CNV	*****	*****	*****	*****
Net E.P.	*****	*****	*****	*****
DM	*****	*****	*****	*****
DM %	342%	342%	108%	108%

It is evident from above table that the dumping Margin from China PR and Taiwan are significant.

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

F.1 Views of the domestic Industry

24. The domestic industry has submitted that share of imports from subject countries i.e. China PR and Taiwan have increased not only in relation to total imports but also in comparison to total demand and total production during the period of investigation as compared to the base year 2003-04. The dumped imports from subject countries have affected the domestic prices and the price undercutting and price underselling are significant during the period of investigation. The market share, capacity utilization, profitability, return on investment, cash flow, growth etc. have declined over the injury and investigation period. The sales of the domestic industry have increased, however the increase in sales is less than the increase in demand. The margin of dumping from both China PR and Taiwan are significant during the period of investigation.

F.2 Examination by the Authority

25. The Authority has taken note of various arguments raised by the interested parties in their submissions.

F.2.1 Cumulative Assessment

26. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

27. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the impact of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on production, capacity utilization, sales, prices and profitability, etc. to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

28. Since positive dumping margins have been established for the exports from the subject countries, therefore, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examinations. The Authority has observed that:

- (a) The imports from China PR have increased in absolute terms as same has increased more than four times during POI as compared to the base year. The imports have increased significantly in the investigation period.
- (b) Imports from Taiwan have also increased in absolute terms. The imports during POI have been more than two times of the imports made during the base year and significantly increased in the investigation period.
- (c) Increase in imports in absolute terms has lead to increase its market share and decrease in the market share of the domestic industry.

F.3 Volume Effect

F.3.1 Import volumes and market share:

29. The Authority has examined the imports data from other secondary sources (i.e. Info Drive, Mumbai) provided by the domestic industry and the import volumes from the subject countries are as under:

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (Annualised)
China	MT	29	13	15	152	122
Taiwan	MT	122	92	169	323	258
Total from subject countries	MT	151	105	184	475	380
Trend	Indexed	100	70	122	251	251
Other Countries	MT	0	3	0	28	23
Total Imports	MT	151	108	184	503	403
Trend	Indexed	100	72	122	267	267

From above it is evident that imports from subject countries have increased in absolute terms and has increased by 251% from the base year 2003-04 to POI.

30. From the imports data available from various sources and sales of the domestic industry the total demand of cable ties in India have been as under:

Assessed Demand		2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (Annualised)
Sales of Domestic industry	MT	****	****	****	****	****
Imports from China PR	MT	29	13	15	152	122

Imports from Taiwan	MT	122	92	169	323	258
Imports from subject Countries	MT	151	105	184	475	380
Import from Other Countries	MT	0	3	0	28	23
Total demand	MT	****	****	****	****	****
Trend		100	97	137	293	244

The demand for the product has increased in absolute terms to the extent of 244% from the base year 2003-04 to POI.

F.3.2 Effect of dumped imports on the prices of domestic industry

31. The effect of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined in terms of (a) price undercutting (b) price underselling (c) price depression and (d) price suppression and are as under:-

a) Price undercutting

32. The price undercutting due to dumped imports from the subject countries has been significant during injury period and POI as detailed in the table below:

	(Rs. per kg.)				
	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI(annualized)
Net Sales Realisation	****	****	****	****	****
Landed Value of Imports					
China PR	36	51	52	70	70
Taiwan	128	103	107	144	144
Subject countries	99	90	100	120	120
Price undercutting Rs./MT					
China PR	****	****	****	****	****
Taiwan	****	****	****	****	****
Subject countries	****	****	****	****	****
Price undercutting (% - range)					
China PR	85-90	80-85	80-85	75-80	75-80
Taiwan	50-55	60-65	65-70	50-55	50-55
Subject countries	60-65	65-70	65-70	60-65	60-65

b) Price underselling:

33. The price underselling due to dumped imports has been as under:

	Rs./Kg.	Price Underselling	
		Rs./Kg.	% (range)
Non Injurious Price	*****		
Landed value			
China PR	70	****	75-80
Taiwan	144	****	52-58
Subject countries	120	****	60-65

c) Price Depression and Price Suppression:

34. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of sales, net sales realization and the landed values from the subject countries as per the table given below:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Cost of Sales	Rs./Kg.	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	106	136	150	150
Net Sales Realisation	Rs./Kg.	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	102	112	114	114
Landed Price - China	Rs./Kg.	36	51	52	70	70
Landed Price - Taiwan	Rs./Kg.	128	103	107	144	144

From above table it is evident that though cost of sales and net sales realization of the subject goods has increased during injury period, trend of increase in the sales realization has been lower than that in the cost of sales and domestic industry has been prohibited to raise its prices commensurate to the increase in the cost by the dumped imports causing price suppression. Selling price of the domestic industry has marginally increased during the injury period and has been far less than cost of sales depressing the prices of the domestic industry.

Examination of other injury parameters

35. The Authority has examined the consequent impact of dumped imports on the domestic industry in terms of various economic factors and indices having a bearing on the domestic industry as explained below:

- (i) **Sales quantities:** Domestic sales quantities increased from *** MT in 2003-04 to *** MT during POI recording a increase of 104% as shown in the table below:

	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI(annualized)
Domestic Sales (MT)	****	****	****	****	****
Domestic Sales (indexed)	100	138	161	204	204

However increase has been less than the increase in demand.

- (ii) **Market share:** The market shares of the domestic industry, imports from subject countries and imports from other countries are tabulated below:

	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
China PR	29	13	15	152	122
China (Indexed)	100	45	52	421	421
Taiwan	122	92	169	323	258
Taiwan (Indexed)	100	75	139	211	211
Subject countries	151	105	184	475	380
Subject Countries (Indexed)	100	70	122	251	252
Other Countries	0	3	0	28	23
Domestic Industry	****	****	****	****	****
Domestic Industry (Indexed)	100	138	161	204	204
Total Demand	****	****	****	****	****
Share in demand %					
China PR	12	6	5	21	21
Taiwan	51	39	51	44	44
Subject countries	63	45	56	65	65
Other Countries	0	1	0	4	4
Domestic industry	37	54	44	31	31
Total	100	100	100	100	100

The market share of the subject dumped imports has increased from 63% to 65% over the injury period and that of domestic industry has declined from 37% in base year to 31% during the same period. The market share of the Domestic Industry was 37% in 2003-04 and increased to 54% in 2004-05. It declined to 44% in 2005-06 and further declined to 31% in POI, while the demand of the subject goods has increased by 244% from 2003-04 to POI. It is evident that the dumped imports have adverse volume effect.

- (iii) **Output & Utilisation of capacity:** Production of domestic industry increased from *** MT during 2003-04 to *** MT during POI recording an increase of 125%. Capacity was increased by 120% from *** MT to *** MT during 2005-06. Capacity utilization increased from ***% in 2003-04 to ***% in 2004-05 came down to ***% during 2005-06 and increased to *** % during POI.

[Quantity in MT]

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (Annualized)
Installed Capacity (MT)	125	125	275	344	275
Production (MT)	****	****	****	****	****
Production (indexed)	100	133	183	226	226
Capacity utilization (%)	****	****	****	****	****

The above table shows that domestic industry is left with significant idle capacity.

- (iv) **Productivity:** The domestic industry did not record any fall in productivity due to increase in capacity and demand.

	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Production (MT)	****	****	****	****	****
No. Of employees	****	****	****	****	****
Productivity per employee (MT)	5.93	7	9.05	10.05	10.05

3721 GI/08-6

- (v) **Profits & Return on Investment:** Profits and return on investment of the domestic industry over the years are as under:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Selling Price	Rs./Kg.	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	102	112	114	114
Cost of Sales	Rs./Kg.	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	106	136	150	150
Profit/loss per Kg.	Rs./Kg	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	90	56	28	28
Profit before interest & tax	Rs/Lacs	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	124	100	96	78
Capital Employed (NFA)	Rs/Lacs	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	128	186	174	174
Return on capital employed	%	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	97	55	45	45

- (a) It is evident that the Selling Prices have increased by 14% only from 2003-04 to POI while cost of sales have increased by 50% during the same period. The Selling Price has not been commensurate with increase in cost of sales and has resulted in decline in profitability of the domestic industry.
- (b) The profitability per unit of sale declined significantly over the investigation period, in spite of significant increase in the sales volumes.
- (c) As a result of decline in profitability, return on capital employed has declined over the injury period i.e. in spite of higher production and sales volumes; there was a declining trend in returns on investment to the domestic industry.

- (vi) **Inventory:** Inventory levels have come down marginally during POI as compared to 2005-06. Inventories of finished goods with the domestic industry has been as under:-

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Average Inventories	MT	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	75	140	130	130

The Inventories of the domestic industry has increased over the base period, in spite of decline in capacity utilization. The inventories started increasing in 2005-06. It was the time when the imports have also started increasing. The domestic industry faced with the problem of blocked funds in its inventories that could not be sold due to cheaper imports from the subject countries.

- (vii) **Cash flow:** Cash flow situation measured in terms of cash profit has been as under:

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Sales quantity	MT	*****	*****	*****	*****	*****
Cash Profit	Rs. in lacs	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	131	116	113	113
Cash profit per unit of sales	Rs./Kg	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	Indexed	100	92	72	56	56

It is evident that Cash Profit per unit of sales has continuously declined from 2003-04 to POI.

- (viii) **Employment:** Employment situation of the domestic industry over the injury period has been as under:

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Number of employees	Nos.	*****	*****	*****	*****	*****

Employment with the domestic industry increased over the injury period due to increase in installed capacity and production.

(ix) **Wages:** Wages and impact of the same on cost of production has been as under:

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI (annualized)
Wages	Rs./Lakh	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	160	180	260	260
Wages per unit of production	Rs./Kg	****	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	117	100	117	117

It is observed from above table that the wage paid per unit of production has marginally gone up.

- (x) **Growth:** Installed capacity was increased by 120% during 2005-06. However, after increasing the installed capacity, ****% of the total capacity remained unutilized during POI, though the demand for the product concerned increased by 143% during POI as compared to 2003-04.
- (xi) **Ability to raise Capital or Investments:** With a reduction in return on capital employed, ability to raise capital on investments has been adversely affected.
- (xii) **Factors affecting domestic prices:** The cost of sales increased by ****% during the injury period while sales realization increased only by ***% and domestic industry has been unable to increase selling prices commensurate to cost of sales.
- (xiii) **Magnitude of margin of dumping:** Margin of dumping from the subject countries individually was significantly higher than the de minimis level of 2%.

G. Conclusion on Injury and Causation:

In view of the above, the Authority has observed as under:

- (i) Selling price and cost of sales per unit has shown increasing trend during injury period but increase in cost of sales is more than increase in sales price per unit. Profit per unit has come down to Rs.***- during POI from Rs. *** during the year 2003-04.
- (ii) Return on capital employed has come down during the injury period.
- (iii) The cash profit per unit has declined to Rs. *** during POI from Rs. **** during the year 2003-04.
- (iv) Cable Ties originating in or exported from China P.R. and Taiwan has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(v) The export price from the subject countries have remained at dumped level during POI. Further, these prices have not increased proportionate to increase in the input prices from the base year period and on the contrary have significantly decreased in POI.

(vi) Imports from the subject countries have been undercutting the prices of the domestic industry in the market to a significant degree.

In view of the above, the Authority holds that:

- a. There has been significant increase in the quantum of dumped imports of the subject goods from the subject countries. The same have gone up in absolute terms as well as in relation to total imports, demand and domestic production in India.
- b. The market share in demand of the domestic industry has declined while that of imports has increased.
- c. The CIF import price and landed price of subject goods have shown decline over the injury period in spite of increase in cost of raw material and cost of production.
- d. Landed price of imports from subject countries were significantly below the selling price and non-injurious price of domestic industry, resulting in significant price undercutting and price underselling. This has impacted the domestic industry adversely.
- e. Price undercutting from the subject countries and increase in raw materials costs resulted in price suppression being caused in the market. The domestic industry was not able to increase its price in proportion to increase in costs.
- f. The significant positive price undercutting and consequent price suppression faced by the domestic industry resulted in deterioration in profits, cash flows, return on investment.
- g. Even though production and sales volumes of the domestic industry increased over the period, the increase in the same was far less than the increase in the production capacity with the domestic industry and demand in the Country.
- h. The capacity utilisation of the domestic industry has declined.
- i. The dumping margin as determined for the subject countries are significant.

36. The Authority therefore provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

G.1 Causal Link:

37. The Authority has examined the impact of all known factors and their consequences on the situation of the domestic industry, in order to reach to its conclusions on the cause of the injury suffered by the domestic industry in accordance with Article 3.5 of Agreement on anti-dumping and as per Para (v) of Annexure-II under Rule 11 under Customs Tariff Act as amended. Known factors other than dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry has also been examined to ensure that the possible injury caused by these other factors has not been attributed to the dumped imports.

H. Other Known factors and Causal Link

38. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject countries has increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. Despite strong growth in demand, the growth of imports from subject countries has significantly displaced the market share of the domestic industry, which has prevented the domestic industry from producing and selling the subject goods and consequently led to idling of production capacities. The landed value of dumped imports from China PR and Taiwan show a significant price undercutting and underselling on the prices of the domestic industry, resulting in price suppression being caused to the domestic industry. Consequently, the profits, return on investment and cash profits have declined significantly over the injury period showing adverse price effect of dumped imports on the domestic industry. Thus various parameters collectively show that the domestic industry has suffered material injury.

39. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attributing factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

- a. **Imports from Third Countries:** Imports of subject goods from other countries are negligible in comparison with the imports from subject countries. The import prices from other countries were also substantially higher. Imports from other countries do not appear to have caused injury to the domestic industry.
- b. **Contraction in demand or change in the pattern of consumption:** It is noted that there is no contraction in the demand and also the pattern of demand has not significantly changed during the period of investigation. On the contrary, the overall demand for the subject goods has increased and the pattern of consumption is changing in favour of the product under consideration. Therefore, the possible decline in demand is not a factor which could have caused injury to the domestic industry and it does not appear that the pattern of consumption has caused injury to the domestic industry.
- c. **Trade restrictive practice and conditions of competition:** The Authority did not find any trade restrictive practices followed by the Indian producer and other

competing industries or any other conditions of competition that have caused injury to the domestic industry.

- d. **Technology:-** There appears to be no significant change in technology over the injury period which could have caused injury to the domestic industry. Further, none of the interested party has submitted any evidence that the technology is a factor of injury to the domestic industry
- e. **Export performance:-** The Domestic Industry has exported the subject goods during the period of investigation as well as during previous three years. The Authority notes that the export performance has shown improvement. With regard to profits, export performance of the domestic industry has been segregated and only domestic performance has been considered for assessing injury for subject goods.
- f. **Productivity:** The productivity of the domestic industry has improved over the injury period and therefore, could not be a cause of injury to the domestic industry.

I. **Magnitude of Injury Margin**

40. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the average landed value determined based upon the data available from the secondary source and Injury margin has been determined as given in the table below:

Injury margin Calculations

	Injury margin	
	(US \$/kg)	Rs./kg..
All exporters from China PR	*****	*****
All exporters from Taiwan	*****	*****

J. **CONCLUSIONS:**

41. In view of the foregoing the Authority has observed as under:

- (a) The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value.
- (b) The domestic industry has suffered material injury.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

42. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

43. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

L. Recommendations

44. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

45. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 8 of the table below and landed value of imports is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

DUTY TABLE

Sl. No	Heading/ Sub-heading/ Tariff	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	39.2690	Cable Ties	Any size	China PR	Any	Any	Any	199.44	per kg.	Rupees
2	39.2690	Cable Ties	Any size	Any country other than China PR & Taiwan	China PR	Any	Any	199.44	per kg.	Rupees
3	39.2690	Cable Ties	Any size	Taiwan	Any	Any	Any	134.14	per kg.	Rupees
4	39.2690	Cable Ties	Any size	Any country other than Taiwan & China PR	Taiwan	Any	Any	134.14	per kg.	Rupees

M. Further Procedures

46. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would hold hearing to hear the views of various interested parties orally;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- The Authority would disclose essential facts before announcing final findings."

R. GOPALAN, Designated Authority